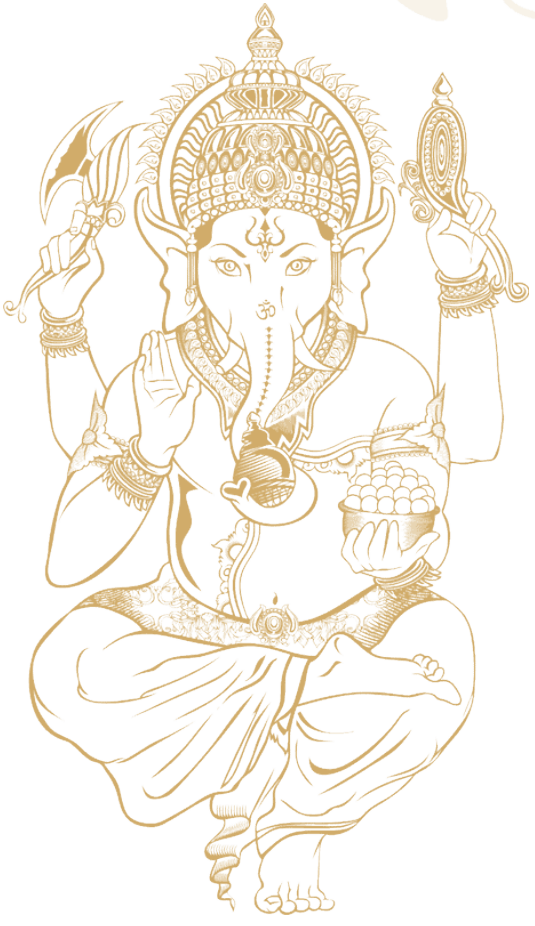

Ms.Vagmi Singh

28 Jan 2021

07:40 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121877003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/01/2021**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:40:00 घंटे**
इष्ट	31:11:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:18:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:57 घंटे
साम्पातिक काल	03:51:07 घंटे
सूर्योदय	07:11:31 घंटे
सूर्यास्त	17:57:01 घंटे
दिनमान	10:45:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:43:45 मकर
लग्न के अंश	07:37:44 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:37:44	312:45:46	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			मक	14:43:45	01:00:56	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	12:05:45	13:22:16	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल			मेष	16:35:33	00:31:37	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध			कुंभ	01:57:05	00:22:25	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
गुरु		अ	मक	15:06:06	00:14:15	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र			मक	00:50:40	01:15:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि		अ	मक	10:43:25	00:07:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	स्वराशि
राहु	व		वृष	24:46:04	00:07:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:46:04	00:07:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			मेष	12:39:47	00:00:45	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप			कुंभ	25:00:54	00:01:50	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:57:10	00:01:57	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			वृष	05:48:41	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:50

लग्न-चलित

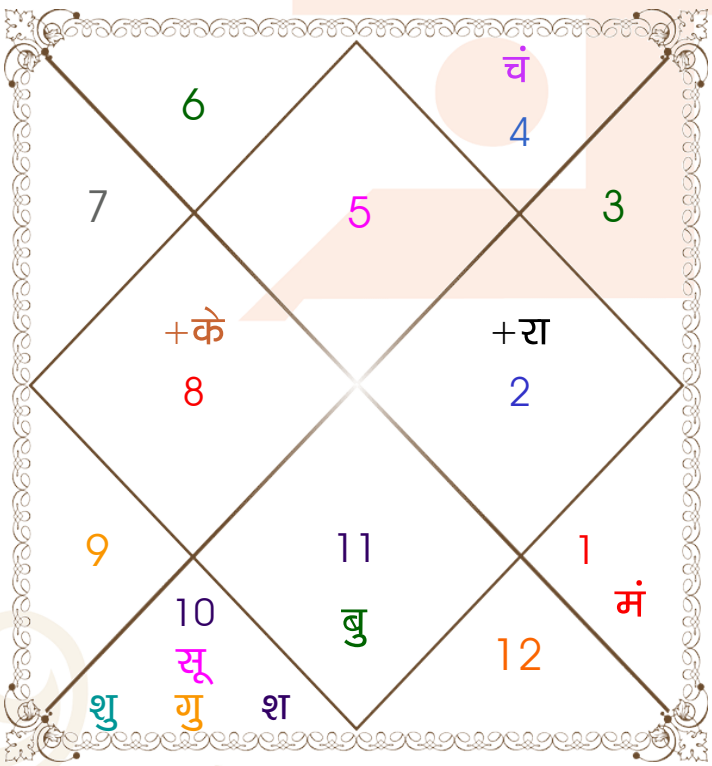

चन्द्र कुंडली

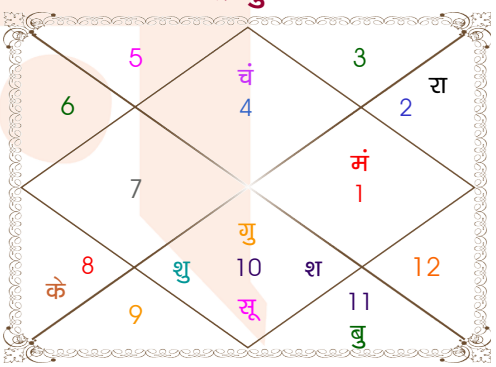

नवमांश कुंडली

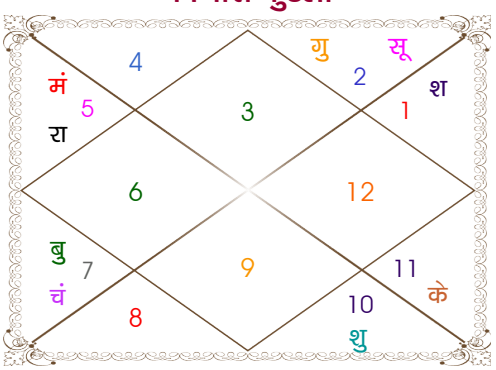

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 6 मास 4 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/01/2021		04/08/2027		04/08/2044		04/08/2051		04/08/2071	
04/08/2027		04/08/2044		04/08/2051		04/08/2071		04/08/2077	
	00/00/0000	बुध	31/12/2029	केतु	31/12/2044	शुक्र	04/12/2054	सूर्य	22/11/2071
	00/00/0000	केतु	28/12/2030	शुक्र	02/03/2046	सूर्य	04/12/2055	चंद्र	23/05/2072
	00/00/0000	शुक्र	28/10/2033	सूर्य	08/07/2046	चंद्र	04/08/2057	मंगल	27/09/2072
	00/00/0000	सूर्य	04/09/2034	चंद्र	06/02/2047	मंगल	04/10/2058	राहु	22/08/2073
	28/01/2021	चंद्र	03/02/2036	मंगल	05/07/2047	राहु	04/10/2061	गुरु	10/06/2074
चंद्र	05/02/2021	मंगल	30/01/2037	राहु	22/07/2048	गुरु	04/06/2064	शनि	23/05/2075
मंगल	17/03/2022	राहु	20/08/2039	गुरु	28/06/2049	शनि	04/08/2067	बुध	29/03/2076
राहु	21/01/2025	गुरु	24/11/2041	शनि	07/08/2050	बुध	04/06/2070	केतु	04/08/2076
गुरु	04/08/2027	शनि	04/08/2044	बुध	04/08/2051	केतु	04/08/2071	शुक्र	04/08/2077

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/08/2077		04/08/2087		04/08/2094		05/08/2112		05/08/2128	
04/08/2087		04/08/2094		05/08/2112		05/08/2128		00/00/0000	
चंद्र	04/06/2078	मंगल	01/01/2088	राहु	16/04/2097	गुरु	23/09/2114	शनि	08/08/2131
मंगल	03/01/2079	राहु	18/01/2089	गुरु	10/09/2099	शनि	05/04/2117	बुध	18/04/2134
राहु	04/07/2080	गुरु	25/12/2089	शनि	18/07/2102	बुध	12/07/2119	केतु	27/05/2135
गुरु	03/11/2081	शनि	03/02/2091	बुध	03/02/2105	केतु	17/06/2120	शुक्र	27/07/2138
शनि	04/06/2083	बुध	31/01/2092	केतु	22/02/2106	शुक्र	16/02/2123	सूर्य	09/07/2139
बुध	03/11/2084	केतु	28/06/2092	शुक्र	21/02/2109	सूर्य	05/12/2123	चंद्र	29/01/2141
केतु	04/06/2085	शुक्र	28/08/2093	सूर्य	16/01/2110	चंद्र	05/04/2125		00/00/0000
शुक्र	03/02/2087	सूर्य	03/01/2094	चंद्र	18/07/2111	मंगल	12/03/2126		00/00/0000
सूर्य	04/08/2087	चंद्र	04/08/2094	मंगल	05/08/2112	राहु	05/08/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।